

and all said

बुरा >- , मण डीका



MA 246 SM

কার্জনিক প্র ছিটিক জ ব্রুড় সোর্জ্যাস্থর রুমার রাশ্মান্ত্র,

प्रिकेशियाम् जिस्ति निर्माण्डे जनाशाकार्यः १००१

শুদ্ধিপত্ৰ

ঋতুসংহার

বিত্রে কর্তিন প্রত্ন প্রত্ন রে কালে গুরুতর সরকারী কাজে লিগু থাকার কিছু ত্রুটী রয়ে গেছে। এখন যে ক'টি প্রমাদ চোখে পড়ল শুদ্ধি-পত্রে ধরে দিলাম। স্থাপাঠক অনুগ্রহ পূর্ববক ত্রুটী মার্জনা করবেন।—গ্রন্থকার

পৃষ্ঠা	পংক্তি	পণ্ড ন	36
\$	77	রকমারি	বিচিত্র
8	8	নিতেছে	ল ইতেছে
۵	&	ভৃষায়	তৃ ষ্ণায়
>	>•	শস্ত অঙ্কুর	শস্থান্ধ্র
۵	১৬	নিদাঘ বলে	নিদাঘ যে বলে!
٥٠	8	শ্রান্তি ভরি	শ্রান্তিতে ভরি
50	১২	ধরিয়াছে	ভরিয়াছে
\$8	ર	দীগ্তি তারি	দীপ্তিতে তারি
78	>@	বিধিছে	বিধিছে
١٩	> 9 🗼	গভিটি	গভিতে
74	>4	বহিয়া	ৰহিয়া
7>	5•	কুন্থম	ফুল
২∙	>	ইন্দ্রধনু রঙে	রামধন্ম রডে
२०	>•	ভূনিয়া নারী	শুনিয়া সে নারী
₹ 5	b	বয় জে গে	রয় ব্লেগে
२ऽ	>#	অ ধবের	অ ধরের
२७	> <i>e</i>	অনিন্দে	স্থ খেতে
•	>8	হংস মধুর	হংস স্থমধুর
•	> <i>p</i>	মনের শ্রীতি	হৃদয়ের প্রীতি
७२	7.	रत्रा य	হরবেতে

	পক্তিং	অশুদ্ধ	শুদ
পূঞ্জা	>>	অনুপম রুচি	<u>রুচি অন্যুপম</u>
6 2)°	ছুৰ্নত	ছ্যুতি
99	58	লোচন	শোচনের
৩ ৫ ৩৭	8	হইয়া	শ রৎ
85	>>	শীতল পরশ	শীতল-পরশ
8 3	8	নিরিখটি	নিরিখেরে
89	<u>ې</u>	রাথিয়াছে তারে	রাখিয়াছে ধরি
80	> 2	অলসের ভারে	অলসেতে ভরি
88	•	ম ন্তো ষ	সন্তোষ
80	8	কবে	করে
8৬	> 2	না বয়	না রয়
¢•	æ	বাবুল	রাতৃল
eo.	>	রাপীর	বাপীর
aa	٥	ধরে ছে	ধরে
aa	•	রমণীর	রমণী
e r	2	যাইছে বয়ে	যাইতে ছে ব'য়ে
••	ર	क्षय (पाटन	क्रमग्रि (मारन

ख्रुषाञ्च दक्षू पार्यानिक लास्ट्रें क्रीपूत्र मदान्द्रमात्रा भन स्रमु घरायएंद ध्रुष्टिः अर्पद्ध-

বশু

अधाक ज़ारे जिल सवि SMADL WASTER LEWA प्रात्म 54 विस व्य वाकता-MASIN CICLE CONTING! (सरारें) विकर-कार्य -गिरा वी कारमार कार हे प्रति रीत- लिंग- खिला- किरेंग भ्राम इशिम अपि किए ? अमिरा कार रहे अमिर ग्रेम का वार्य लाह मार अराजार व्यवस्य अराजार

ष्ट्रा वित्रकारेत छित (सर्कारम (स्रोम राष्ट्र महीं अभगद्रत्य काम धाम श्रीतः आरहित सार्थ आहि गानी-प्रिम्पत्वर अर्ड अनियम, 3474 NAVE-PREVENCE CALL WILL BINERALAS वैद्यु बार्ड (सहस्वरमी-मेंदि 8200 - 420 - 200 WIN विल्य प्राप्त विश्वाद्वर व्या अर्ड कार्यायात्राका व्यक्ति अवार, विकार (उपनीर न्याद महारा प्रकार हरिया 124849- 2545 B- NOS म्य अराज-आरेटन भीगाव! र्विभीय-संबंधियं क्या ज्या पारा अरूर यड्न एएस्थित , त्यामिक भाग

अगर अपर हाड मान स्मान seure aferret was such (य-अर्थ- अर्राहरूप (अर्थ अर्थ क्राह् क्राय क्राय (धार मिट्ट कार्य कट्ट होरीन महराख क्याल का स्थापत आसाव CKS STOT Z'ES MCV STAT-अअभारमार्य म्या-मिता निकं भाषात जायमी ! क्रमार्ड कर स्ट्राम्य उत्तरीय उत्तर मार्ड गरी-विकेटिन दिए 55 के (व (47र्थ , इन्द्रम श्रीव काएन गरे! Simus Sans Simula (دعود ورمه معرود , لمهومه) [WASA DEPLOS TANDES TO SENDER PARTO म्प्राप्त माम्प्रहा माम्प्रम् क्रम्यातामा मान्याता मान्याता मान्याता क्रम्याता क्रम्याता मान्याता क्रम्याता मान्याता क्रम्याता क्रम्यात

निक्यन

, अन्जिम् इस्ते अस्ति । अस्ति । सार द्रावंत कारकार क्यान्यामं --अम्बर्ग अम्बर स्था है अन्यहं - कर्षा अम्बर् मार्थ अक्षर कार्य कार्य १३. देखार ज्ञानमास्य १ - १ मेर्डिय द्वारा मनामू नामित्र के अन्ति व अवस्ति महार वरमार गाम्यने निकार । यम्या उ क्रिक्स किक्र 'अर्घर राज्य प्रक्रि अन्तर्य न्यात इस्ति। क्राइटि अस्तर क्राके वर्स रावे कात्र कात्र हार्य क्रात्री क्रात्री व्य कें एता ही में में हुड़े कार्डु कर केंद्र अध्यक्षर कार्य व विकास उत्तर के विकास कार यहार प्रस्त है है है है है है अर्थित र पर स्ट्राइस र रेड हिस्सिर राजे का

CAMMEN 1

किं के क्रिकी एक कार्र-रंग THE BENE PASSED ASTER OF 73-672C2 WARLE ST- 25-62 421R अराक त्या के के के प्रायक कर का अक्टाला काना-मिक्तिकेन-क्रमाड-व्याक्ता क्राच्या अक्रा । क्रा 3 -क्रिकारिक स्थार्थ- राम पर-अनुस्थित STORTHE S (M) 421. STORT OTHER SA अध्यक्त कारण। १३३ विकारी very eine fit spiran very उट-उ ज्ञान क्रान्डा की कार कार सिन्ड १४, ७४मि क्यिक ३३व मिन्द्र का हा मार्थ मार्थ है मार्थ क्षिक मिलाइ तथा मार्थ हाक । स्वा क्रिक्टिक अर के किया है कि कि कि कि ७२१ - उपक निकारिये गिरामा भाषा-13 किए का कार कार 14 देवा

मार्थ क्रियां सक्कारकर किन्त क्रिया 325- KLANI (DELLE OVENE SAS the service or arthe- 3 are THE SAME SOUR COLOR ENVER MAN क्रावार केरा उ मार्स क्रिकार के महा 12/2018 616 - 12 - 927 EULY राश्त मेर्रा । यह अध्य कार्षह रायक्ष स्थान्त्राक हम्म उ वर्णन्याका यन alber answer aggloss-मामुजापक राज त्याक-हाव याका क्षाना मार्थिक हेरियाक । महादेश 2/2025 TOF 522 210 21213,2494 अभागे अन्दर्भ देश 3 ते दल्ये भीने-- Conse pring. Det - push every serve कार्यक ३ किएमी व्यव सत्म मुख्क appeared 3 NESHANTERINI अरे-अश्विड कर मिल्मी उ करका कार्य

स्तित क्षान्य ने क्षान क्षान्य ने । क्षान क्षानिक क्षान क्षान क्षान क्षानिक क्षानिक क्षानिक क्षानिक क्षानिक क्षानिक क्षानिक क्षानिक क्षानिक क्षानिक

मारेशित हाड ह्यार भरतिक THE CA DA MESSEY SISTEM 9 Spear frage of 13 73 23any Ary / sourcerord (intertion) (यय अमीक के आर्थ निर्मा (sensation) pres of sport of convers (design so) ores; expres (hypothesis) reser Bis 40/ Acience 20) 8734- (3272) NA 273 (teching) elen habelpett 42th elmetre लियाकोने एक प्रमित्र कार्य मिलापरी Lesse wights sur sells enty in 33 oras 180 (feeling 22) 202-Marker & Cop all the 1 month व्यक्ति के के प्रमुख्या के मेर कार्या

रामार क्रमण्याम-।

क्रमण्याम विद्याम क्रमण्याम विद्याम क्रमण्याम व्याप्त क्रमण्याम व्याप्त क्रमण्याम क्रम

ति क्रिक्ष क्

or on the stilling south as the क्राधिक क्राह्म के प्राप्त का सक moms & & & star too? EN HALLEN EVILL INDANTERAS Tory duck with the sheet for Litter ing is, a remen fulled मिंदियां के प्रकार क्राक्र मिंदिक दिन marks arway Et 1 Divis sans exelitable esous a plasson केल्यद्रक में कि के के कि कि कि का का माने sous-sara s'en ammanon छती अलाक्ष किला अनार र'न। सर्वाह अराम्या वर्षान्या ए कि की रहित क्यार क्या हिन

4622 41 A BR 129- ALL SA - ALL

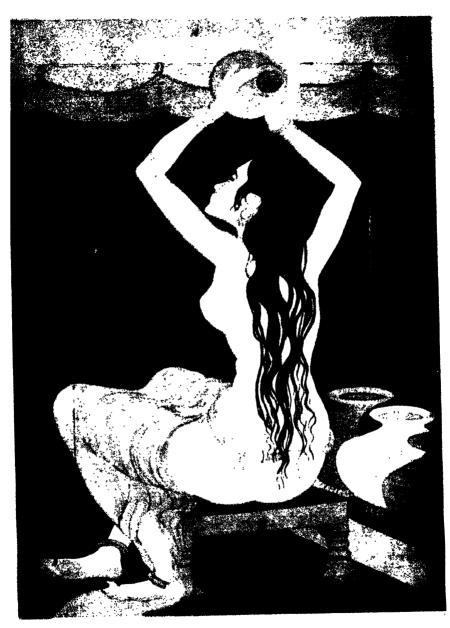
२४.६४०१० २३ लास्या - प्रवास्त द्रेटमार्थ

करवंस । यह दे दः १८० विषय विकित्रक

र्यामा नार ,- जार जान कारी-जिया के कि के कि के कि के कि के कि कि दिएमा क्रा १ मारा १०० भागा あれないれないかろれるれんしょうからしがか M2 रिमामिश्वर अर्थ अर क्या अर THURS OND STREET OF STREET Malerall & ales sers - Eres of 120 . Let 11-112 most property in En 12 राराका के अहे कारण वामा WALTER SALON - COOKS SPERSA AL SWELLS क्रा गार्थ कर्मा कार्या केरा देश हार मह उत्तर विस्ते के के के कि कि कि कि and sugar sign one saw When elever the for the sur ENTER- 25-NON I RENER DO ON COLO TETES IN GUILLE CANE ON THE LANGE the most sunt seems als 20-435/1

स्ति हा स्वाधिक का निर्मेश का निर्मेश किया किया निर्मेश का निर्मे

क्षाक्ष्य, भारतार । १००८ मा २०६२।



গ্রাহ্ম-স্কর্মংহার পঃ ১

क्षाउँ भा डाउ

्रेटीका वर्णनः अज्ञासम्ब

प्रभाग अग्रिस वर्षे , गिर्मिश वर्षित । १ स्ट्रामिस अन्य- थर्स - अग्रिस्ट १ स्ट्रामिस अन्य- थर्स - अग्रिस न्यानी सकाम कार्य का मेंडप् ! 5 न्यानी निक्रम ' का मया निवित्र- का मेंडप् ! का क्रमा निक्रम कार्य का मया सम् क्रमा निक्रम को क्रमा सम् क्रमा निक्रम को क्रमा मिल के इस्टर्स

्राप्त - मिश्रीत स्म हाबु कर । व क्रा कर कर में मही के आह — केंट क्रा - क्रा कर का का के कर ! 2 कर्डी - मी एके स्मार्थ का अर्थ - द्र स्मार्थ - क्रा का का का कर कर क्रा - यह के मिश्र का का कर कर क्रा - यह कर कर का का कर के

स्मानाङ स्वापे सम्मान्त वार , इक्-निक्षा म्हार्य क्राप्त क्र क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्र क्रा

GR.

क्रामित्री के करने कालना संबंध : ह भुमाराव क्राफ्त क्रामित क्रामित अभाग काण क्राम्मेर स्मान्न : भुमानेर्दे

अस्य देमरे काम खरा हारे हैं। द कार्य काल राज पर क्यानी-कार्य काल राज पर क्यानी-कार्य काल खरा हो। कार्य खरान खरा हो।

्रोम्मान । जिल्ले

* *************

્રમું- માર્શ્વાલ કાંકુ જ્યાં જાય જે गुरु-वमानाय अत्व-वृत्न वर्गाचे के સમત સંસ્થા સમય ફાકુંણ~~અ~

जियान कार्य के अधिक कियां - श्री दूरक दरका रूपक, मालाव मुख्ने र The anices some soiles मिश्र अमिर देशिय प्रमार ! -

मिल -छान्द्रमा सिक कार्तिक कु भूष- प्रभूष नामार्थिक भागान्थ (मर्भान करन येश उर्भूता के Be elk cheliès mukere Ellè CAMER - BARS (AL SASS STAN SELVE) किए कार्ड-अप्रान स्रकार प्र क अर्थ के व्यक्त क्षेत्र कार्य ने कार्य क स्माय स्माय जात रहानी विभाय! ने

ज्याम अर्थ क्यांड खरुन्छ अर्ड । २० क्रिरंग- क्रिड्डी क्याम-प्राप १४१- च्या- क्रिक्ट मडी- ! जमडो आर्थ क्येंड- ह्यम्

હોત્ર હ્યાતા ક્રાફે ક્યાફે અમો?! 1 સામુ ત્ય તક્રોમકા- ક્યાફ સમ્યાપ ક્રામ ક્યાને. સલિસિક ક્રામે; માં ક્રામે ક્રિક હોતું ' ક્યાન આપ્ય મુખું પ્રાપ્ત હ્યારેસ ' હેશક પ્રક્રમ માં મુખું ભૂસ્ય જ્યુક પ્રક્રમ માં મુખું ભૂસ્ય જ્યુક પ્રક્રમ આપ્ર મેરે ક્રિક ' કેશક શક્યો. સ્રાપ્ત આવાર આખેર ક્રાકનુ

આશ્રુ- કર્યા ક્રિક્ટન સંગ્રહ્મ આત્રુલ કર્યા ક્રિક્ટન સ્ટેક્ટન આશ્રુલ કર્યા ક્રિક્ટન સ્ટેક્ટન આશ્રુલ કર્યા ક્રિક્ટન સંગ્રહ્મ સ્ટેક્ટન

OST TOWN

्या अस्त क्रम्या स्ट्रास्ट (स्ट्रास्त ।) १ श्र अस्ति । १८० हो अस्त अस्त । ११ स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट

(क्यापास्टि शर्ड- निकार्शितां भारतां १३ अर्थे- भारतां विद्यासिकं स्पास् सर्थे (त्यारां विद्यासिकं मार्कः श्रित्ति श्रुपकं स्वार्थः स्वर्धः श्रित्ति श्रितं स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः भारत् स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः भारत् भारता स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्

धरेडी-राक्षणाड राज-विक्रम करें। जिल्लाम-जिट्टेर माम्स धर परंड, क्रियोंग क्रिया एता क्रियारंग के करीरेंग (राक्रीय-विनोधर मा कर्ष!) स्मिल हरकार्त कार्य जारवंप-178 क्रेंग् स्पार्ड कर्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रेंग्रिंग क्रिंग अक्ष- क्रिक्प क्रिंग स्प्रिंग क्रिंग ज्ञास्ति क्रांग्व क्रेंग्

સ્થિમાં માં માં માં કાર્ય મા શુલ્યા કર્યા છે. જ્યા માં આ સેંગ ક્રુપ્તા માં માં મુ પ્રકૃતિ ક્રિયા કે લોક માં માં માં કર્યો કર્યો કર્યો માં માં માં મું

म करि ताम करिया कराम केला क्यां। के अन्तर करिया करिया कराम करिया केला केला करिया क ने स्पर्ट न्यां स्वीयन नियं। १० स्वास्त्र भारता स्वास्त्रां १८) इत्रिक्त स्वास्त्र स्पायं व्यास्त्रें स्वास्त्र प्रांक्ष स्पायं व्यास्त्रें स्वास्त्र शुवं द्रश्मित क्या

करामान (ए उर्ग क्रिस उम्मा) भ क्रिस ने क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस ने क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस ने क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस ने क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस ने क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस ने क्रिस क्रि

डिर.सर राज्या श्रियाक (त स्ट्राप:- नामा त्राम्य स्ट्रीड्रा अरोद (पडाप:- लुड्डे इंश्रुक रंग्रारे अर्थेस स्रुकेश- क्रमाने 'म्यारक अप दत्त- दर्गाक् । ५० विष्णम् जा करके यो प्राशिक हिं स्त निरुत्त क्रम्भाक्ष्ये महार्थिन ट्रिकेन अपित्रोक्ष्ये स्वार्थिक प्राप्तिक विक्रम

હ્યારુપુત કુડાંત સ્ટિસ્ટ ક્રિક્ટ સ્ટાર્ક ! 17 આકુ ક્રિક્ટ કાર ક્રાફ્ટીયુંગુંગ્યાસ મહિલ્ફો સાર્ચ ક્રિક્ટાંગુંગ્યાસ (અત્રુપ્તિશ્વ અત્યુપ્ત શિલ્ફોલ્ફિટ્ટ વ્યવસાય)

માન્ય વ્યવ્ય સાશ, મામ શ્રીવ્ર વ્યા, 51 જ્યારે કર્યુલ - કર્મ કર્મ ઉપર્લી જ્યારામ ત્રમ્ય કર્માણ કર્મા; આક્રમ માર્ચા માર્ચાલ કર્મામ જ્યારે માર્ચા માન્ય ન્યાય સ્થાન માર્ચ પ્રમુજા મામ માર્ચ માર્ચ પ્રમુજા સ્થાન માત્ર અર્ધ જારુ સ્થાન માત્ર અર્ધ उर्जा 5, के 31 जा उपरावुद्ध हुद्ध 15 के अर्थास्थ्री स्ट्रस स्ट्रास्ट्र के उप्राथ्न स्ट्रस क्रास्ट्र के अर्था के अर्था क्रास्ट्र के अर्था के अर्थ

अश्वास अप्टा दृष्ण्याम् ३५। १९ अवासोश्व ध्राम क्रम- प्रमेश्वराम अप्टा सम्भूष ध्रुम्य व्याप्टा प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य व्याप्टा सम्भूष ध्रुम्य व्याप्टा प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य व्याप्टा प्रम्य प्रम् शिकाम कत्ताम क्रांसम्भा क्रिं। १६ ग्रीकें में निर्धा निरम क्रांसिट्टिं ग्रांसिंग क्रांसिंग क्रांसिंग ग्रांसिंग क्रांसिंग क्रांसिंग श्रांसिंग क्रिंसिंग श्रिका क्रांसिंग ग्रांसिंग क्रांसिंग क्रांसिंग ग्रांसिंग रहें से

Mount

विजे क्यां क्यां

was signed and are mis

There is in the stand of the

उत्तर करान कराना कराना करा है। अपने करात करान कराना करा है। अपने करात करात कराना करा है। अपने करात करात कराना करा है। अपने करात करात कराना करा है। अपने करा करात कराना करा है। अपने करा करा कराना करा करा करा है।

Alasaha svary



বর্ষা—ঋতুসংহার পৃ: ১৩

अवर युक्

अस्ति काडि लग्न ज्ञामीक स्थः । १ १ विके काडि कार्य मार्था स्व १ विके काडि कार्य मार्था स्व १ विके काडि कार्य मार्था स्व १ विके काडि कार्य असम्म ग्राम १ विके काडि कार्य असम्म ग्राम १ विके कारि वार्य असम्म ग्राम १ विके कारि लग्न ज्ञामीक स्थः । १

सिक्त के जा कर्म मान करें। अपरास्त्र क्रिक्ट क्रिक्रेस क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क् सिम्बास उम (म्हा क्रियाके। १ स्थिमकी- कार्याकुकं स्ट्रंस् उन्हें क्ष्यां मिलियार्थे के निर्मात क्ष्यां स्थित्यां स्ट्रंस्यां

ક્ષારં ક્રમ્પ ૧૭. સિમ્પાપપ્ર કર કર્

उत्पास्त सुनुष्ट सामन बागां । ह विश्वति विक्री सम्मानिक ल्पास क् क्राहेद - यूनी - क्रीया - क्राहेद - यूनी - क्राहेद - यूनी - क्रीय स्थित स्थिति - क्री क् बर्गाम्ह क्रिक्ट क्रका के व्हारक १००० व क्रिक्ट - गुरु क्रिक्ट क्रिक्ट ने क्रिक्ट विक्रक्ट

સ્મ-શિયાઇક- ક્રાંકોભારા (પ્રતે મેશ્રેલ કરક મર્ફક શુપ્તાન પ્ર પુરમાંશ જન્મ આખમાં લાક, જી સંગંત હતાસક ક્રાંમાં તાલ

बेबर सरह था। ब्राइटि सासाई, टेब्ट्रिंग-वेस्त्री-अस्त्र-स्वेत्स् टेब्ट्रिंग-वेस्त्री-अस्त्रिक्श्वं त्र

(1), "

ठेरे कुर्या- में ति र्वे च्यां कर्ट । म शुक्रीय शिक्षे क्यांत्रीय श्रम् शुक्रीय शिक्षे क्यांत्रीय श्रम् भत- क्ष्रियमं में ति ३-३ कंश् १२

ભાત્મ સુભ અભ શ્રહ્મ જ્યાર છોશ્કર્ય સ્પ- (સુરક્ષણ- હાશ્ય હત્યા સ્ત્રા સ્ત્રાં ત્રેય ત્રુપ સુરમે સ્પ્રક્રમાં ક્ષ્યું જ્યાત્ર કુલ્મ્પ-લ્યારા

स्त्राम् । क्रिक्ष्यं स्ट्राम्य स्ट

क्रेडिट क्रियंग द्रत्या यात्म,

આખ્યસભાગ શ્રેકાંમ મામાધા જ અર્ચ-ગ્રામુઆમે હાલાઇલા પાય-જ શ્રુમાર્ક

वितेषिती नाथी-भागा गार्थने वितं के अनुल्लामाना (भार नारि वितं के अनुल्लामाना (भार नार्थिक के अनुल्लामाना (भार के अनुलामाना (भार के अनुलाम

માંમાનુ- હિલા હિલાનું કહ્યાં 'છે. આપન માટે ક્ષણિય પહેલી હોડો આપને કહેલાનું કહેલાનું હોડો આપને કહેલાનું કહેલાનું હોડો આપને કહેલાનું કહેલાનું હોડો હ્હ્યાિલ કિમેન્સ પ્રસામ યાડામાં ડે ૧૦ મમાન ક્લાંક ક્ષાન્સ માડામાં કર્યા સર્મોક રેપ્ય જાણ નડાં નિવા સર્મોક રેપ્ય જાણ નડાં નિવા

દુર્ભિખ ત્રાક્ષ ઉજ્ઞાસ અપાં 198 : કુંકુઆ. તેમરે ભારતમાં કૃપાનું અપાં શકીય પ્રામામ કૃપાનું

क्र भाक्ष- अपर्यक्ष्म महै सेवृद्ध आयं ; १९ क्रियं के क्रियं के क्रियं के क्रियं के क्रियं क्रियं- क्रियं के क्रिय સ્થાન્યાલ સિંગ-સ્ટ્રેલ્સ ;)? સ્થાનાં હોતુ શ્રીક અમાં (ત્ર પશ્ચનીં રેગ દેખ પ્રજ્ઞન માંમાં-શાંમાં (તાલુંમાં ર્સ્યું શ્રામાં

अक्ष क्रम्मार रहत वा चा रास्त ३ अ अप्रमा क्रम्मा ने रास्त्र अप्रमा क्रम्मा ने प्रमा ने प्रमा अप्रमा क्रम्मा ने प्रमा ने प्रमा

 વશ્ચા મા ડાંયું હતા હતા. મા.)) ડાડ્યું. જાપું જૅસ્પાકશ્ય ~) ડાડ્યું. જાપું જૅસપાકશ્ય ~) ડાક્યું ડાં. પાન રાખમાં પર,) ડાર્ક્ડિપામન વિસ્તિત્વે કહે.) ગુ

मक्ष्मी-क्षाप निकामा क्रांतु १९० भूग्रिक मान्या आक्ष्म क्रिकेट अकंत् २ क्रिकी- क्ष्मिल श्रिकार भावे २ मैत्योध-१४०३ क्ष्मिल क्रिका

atitia ity mantalis sies isse Nist a febra is orial curation, and on enter is orial curation is orial curation. The original construction of the standard of the construction of the cons

Emlac भुष्य केषणं राजव स्ट्रम उत्तर भारत मा लाड हारू आहे, द्रेमें अंडि अपरिते अति. धरम क्राक्राण क्रंतम नार् मिलाइए मिन्ने विकारियी वर्षे र्रेस्ट्रेस्ट स्पर्केट-सित (मरपर्या हाम कार्य उद्यु-क्रमालि स्मित्र मार्च मार्च मार्थि । ११

यत अधिक्षा (अहसार अञ् अभ कम्प्र प्रमुख्या । धिअमित सब क्रम्स क्रमात Lever zuen (weren gis. with six some rest tould म्लोब अपर अपान जारी मान (क्राव्हा हंत्रमांक कार्य विकट्ट 21150 mens ad is arch! 2, અડકાર હનામ શિયાણ ક્યા કા કહ્યા કહ્યા કર્યા કર્યા કર્યા ક્યા ક્યા કા કર્યા કરા કર્યા કર્યા

કરાક હાન્ય સાર્કા ઉદ્ધાર કાર્ય : 58 ભારત સાર્ય (સાસર કાર્ય : 23 માન્ય સાર્કાન સાર્ય સાર્ય : 23 માન્ય સાર્કાન સાર્ય સાર્ય : 23 માન્ય કાર્ય : 24 (સાર્ય સાર્ય કાર્ય : 24 (સાર્ય સાર્ય SMESPLE

કુમાન હ્યરાંત તો ચત્યી કે સમાં ૧૦ ગઇમ વ્યાલા- હિતા ક્યાન યા દ્ર-મારા તો જ્યાન ક્રિયા ક્યાન માના તો પ્રમા કર્મ કર્મા માના તો ખેતા દ્રિયા સમ્મુ પ્રવર્શિય : મુશ્ના ક્રિયા હવા મુખ્ય સ્મુ માનુમા-ઉત્માલ સ્મુલ હવા સમુ માનુમા-ઉત્માલ સ્મુલ હવા સમુન્ય હતું.

श्रीहात क्षाम्मस्म (१९६३९) सम्मास्म कार्गाइ क्षा होता क्षा माना क्षा कार्गा का

અને આકુંગ્ર કુંગ્ર અહિલ્લાણ ! ક્રમ્ અન્તર સમ્બ સ્ક્રીશ્ય શાયાન શ્રુક્ષ્મેર હિક્કા સામાન અપુષ્ય અને સામાન કુંગ્રામ અપુષ્ય અને સ્ક્રિય કુંગ્રામ અપુષ્ય અને સ્ક્રિય સ્વર્ધ જેંગ્યા અને સ્ક્રિય સ્વર્ધ કુંઘ્યા પ્રત્ય આ સ્ટ્રિય સ્ક્રિય કુંઘ્યા સ્ટ્રિયા

વેષ્ટાં જ તે કે કે કે જો



শরৎ—ঋতুসংহার পু: ২৫

mikezer Sezirery

भन्नकर्ती-अवसी द्वार वर्षा कर्ता इंद्रिन-स्वेद्ध्य कर्ता, वर्षा कर्ता इंद्रिन-स्वेद्ध्य कर्ता,

भवरहरें सम उद्यंत कांचें । क- । भव्य आक्रमाम स्मारीम्य साम का देम्यच्य एखरू मामग्रीक. कुर रेक्नियां कांचे राध्य समस्य कार्य : कुर रेक्

ברכת דבוצות - משות - משרה

x4-x4-M3-C2 221-223

रावुंद प्रक्रम अष्ट्यी अस्ता रुक्

હિસાસંક-(૧૫૧-183 ક્રમ્પન ; - ,) તે લે સમાપુ માર્યા ક્રમેયુ કુલંદ્ધ. - ,) યુરુઆમુ ખાર્પા યુર્મિખ ભાર્યાન - ,) પારાપાં સ્મારુ 'દમદમ થામ કર્ય - ,) માંત્રમાર્ચ ફ્રમેશના કર્યા કરા કર્યા કર્યા

હિલ્લામકાં માળ સાક સહ્ને મૃં છે હ હ પાડ્ર હ્રાપ્ત કાર્યકાર કાર્ય જ કાર્યા કા કૃષ્ય મીજા પ્રમાને જે કાર્યા કા કૃષ્ય મીજા પ્રમાને જે કાર્યા કૃષ્ય ક્રમા કૃષ્ય પ્રમાન ક્રમ ક્રમું માને મહ્ય મારે જે જે મુન્ય ક્રમું માને મહ્યા કૃષ્ય જાસ્તુ જો જે જે મુન્ય

ज्ये क्षा के कि क्षा के का के क्षा के का का के क्षा के का का का का के क्षा के का का

ગડિમ ક્રાલ્પણ અમેર 19માર્ય ; ? ક્ષ્મ શ્રુપ્ત ક્રેમ માં ગાલ્મ જ ક્રેમ શ્રુપ્ત જ્રમ માં માં માં મારે ત્રમ સમ્મેલમ ક્રેમ માં જેએ ડ્રીન

संबद्धियार स्ट्रिक्ट कर्मा १००२ व रुक्त क्षेत्रम्य अर्थित करके नु इस्य - क्र्याम्त्री - क्ष्याय कराय नु

 क अशु स्परत ने त्या शियम या उत है। क जिस्स मिलार जाम । हिबे हांब है। क स्टिंग प्रमुख अशुल कर्य मेत । कार्य- एकार क किन्न क्रिंग माव-ठ कार्य- क्रांब जैंगर्दे क रूर के के क्रिंग क्रिंग क्रांब क्रम ' मीज्म क्रिंग्न-व्याम-द्रस्थ । हिन्न इंग्न- ज्ल

તેવા હતું સમ કાંગુલિ- સ્કૃષ્ટ ; ૪૦૪૦ ૧૫૫૧- પ્રકાશન સ્વાર્શ હતા સ્તુર હતા સ્તુર પ્રત્ય- પ્રક્રાયા (તે તે સ્તુર્શ હતા સ્તુર તું સ ત્યાન સાંસ્કૃષ્ટ કાંગુ હતા - ગુગ શુક્રાયાર કર્યા માંગુર શુક્રાય સ્તુર કંસ્ત્રાય સાંકૃ દ્રાધ્યાન કૃતા છું સ્ત્રાય સ્તુર કૃતિનો (ઋદ્ર- ગુ જાશાના તેમ દાખ ભંગ એશન; » જ્યાનુર મમતા શરૂર દ્રાસભાગુ ત્યા કુત્ય ગ્રહ્ય એમ્પર સંસભા સામાગ ઉરદ્યું ખ સભાગ જ્યારે અમ્મ મત્મ સાધારો શ્રહ્ય ગુ ર્ચાય સ્થા- જ્યારે અમલ નુ અમ્મ- મૈં ક્યા જ્યાના મિમેન ગુ

क्राक्रमा अप्रक्रम तरि अनामः।। १रमुमी द्रम्भ में क्रान्म क्रान्म १ क्राक्ष्म जाव क्रिम्मी क्रान्म ३ र्यक्षिमण अस्ति हमक्

अख्यात अप्रसं स्टिस्ट ह्यात है। अख्य-इर्स्ड्राट्ट केन-इर्स्ट्रास क्रेस्ट्रिक्ट डोएएग्रें-इर्स्ट्रिक्ट स्रक्रामुक्ति लग्नि स्टेस्ट ग्रान् १० कागुर भेरन्- सन्मिस्ट्री-जार्ष्ट्रेस अस्स क्रिन्ट्रिंड निम्हे इस्ट्रेस रिस्ट्रिंड ज्याद्वे स्ट्रिंड्र

ગશ્ય હિલ્લા માલે મારે જેમ હિલ્લા છે; સ્પાકુમાં કાર્યા જેમ હિલ્લા છે. સ્પાકુમાં અરુમાં પ્રકલ્પ છે. માર્કુ માર્ગ માલ્યા લક્ષ્યા છે. જેમારુ સંખ્યા સ્પાકુ સાર્કુ સાર્કુ કાર્યા છે. શુદ્રામાં પ્રદેશ મારે સલ્લા સાર્ય આપ્રમામ વર્ષેસ મારે માલા સાર્ય

में मार के क्रियं के क्रि

(अंद्री

हिम्यां हिमं-म्यु अरां हा मिर्मे मार्ट कार्ट का

મુશ્યા પ્રાપ્ત સ્પા મુશ્યા વાછા?? સ્પાર આમુખ કંપ્રાપ્ત સ્પાણ અ સ્પાર આમુખ કંપ્રાપ્ત અ સુમાને સુભ સ્પાપ શ્યામ અ ગમ્મ સુપ્ત સ્પાખ શ્યામ એ અમે લુમેં અમ્પ શ્યામ સુમાય સુમા

स्म- स्था स्टिंग अति स्म- श्रीय स्था स्था क्रान अन् अर्थको अत्र स्पान अरा अर रा.स स्पर्ध राम स्था राम

3/5/20

स्थित भूक्तिक क्ष्मिक क्ष्मित क्ष्मित कर्म स्थितमं क्ष्म क्षम् क्षम् क्षम् क्षम् स्थितमं क्ष्मिक क्षम् क्षम् मान्यां कर्म बायुक्तका हाम भूक्षित क्षम्

असम् क्रमान स्टिश्मा अस्ट्रा अस्ट्रा असम् अस्ट्रा अस्ट्र अस

स्थितिकारम्बे एस्ट्रिस्स श्रिक्ता श्रिक्ता १३। भिक्ता ने दुर्वित परी दूर्वाक्री भी २३। भूषा दुर्वित परी दूर्वाक्री भी १३। भूषा भूषा का भी दुर्वित भी १३। भूषा भूषा भूषा १३। कार्यक्रीतिक स्मार्टीका मेंकि, १० १२) भित्रकार्या १३ के न्यास-स्थारिकारणाडी द्वाह त्याद्वीव १४)

अभाग कि निष्ट ए प्रकारका संस्थित दारे -ए प्रकार भीने स्थारिक करि वासा ए प्रकार स्थारिक करि वासा ए प्रकार स्थारिक करि वासा प्रकार स्थारिक करिया क्रम कर कि निर्मा स्थारिक विस्थार स्थारिक विस्थार स्थारिक विस्थार स्थारिक विस्थारिक

स्मिर्यक्त क्रियम् क्रियम् क्रियम् अस्ति। स्ट्रियम् अस्ति। स्ट्रियम् अस्ति। स्ट्रियम् अस्ति। स्ट्रियम् अस्ति। स्ट्रियम् अस्ति। स्ट्रियम् स्ट्रियम् स्ट्रियम् स्ट्रियम् स्ट्रियम् स्ट्रियम् स्ट्रियम् स्ट्रियम्

est siere उपित्रक शिव भाषा केर Jun gam souls grang दुन्दे अपह आहाप क्राप्ट केपर कि शिहां क्षेत्र भागति हो । नुरा

मिन-कर करत किराय भुशा है उन्मारी क्षान किराम क्राम यत्र-मेरशुंव कर्तर काम्राः म ा म्हार कारणा के के कारणा में ना WARD TEAT WO VE OFTEN कर्मन अमिर वर्ष (रम अमिर रिया किर्वे अस् आहमान्य มาพีสารทริงา์ชิ รทริงาช 4 สาย!

अम्मिक्स एर्ड ड्रम्म भार ने Burg wars consumer 51.000 RON- 1458CY CANCA O JEND - CHIZAN BYET STANGARSY! क्टर अध्यक्ष क्षर भारी व्यक्ति ह (राशिय व्यती, वरिमार भागे उपायि स्थाना स्थान कार्या वामन मर्गाठाठ उमाउ।।।।

भारति महे अभूधनी लाउन क्रमी-कार क्रिय भार्माका रएतर सम्बन्धि के रहन नामित्र र रामुस्य कार्व सीर्य म्रिक्सीव - 000 अर्था-प्रार्थिते क्षिक निर्देश निर्देश अक्षर र ना विद्यारी र समी ठका anside for our misma THE MUNICIPAL SECTION WILL SAME SOLD SECTION STATES

13 2002 204 AC - 342 20278 202 हार - स्वीन - डेल्क्स ज्याच र क्रिकार के का प्रथम के सम्बद्ध रा पर ए जार पढ़ कर मारा ह टाका (क्ट्रिंस रंग्रिक 2व क्रिंग स्मग्री। ४२ सरम्ब स्मंच क्रोम्डिंग क्रम्बेन-सम्मभ्य स्ट ब्लिक्स मम्ह-इंग्रिंग्रें क्षि क्रमेंडे स्ट्रिंग अंदरम्य

mil ty extend

(ऽसड़ अन् र्येत्र सम्

अभित्रकार कार्या कार्य



काम- किम्स क्राप्ट स्ट्र दुवं । कुन्न भिन्म न्यान स्व-दुवं | -- कुन्न प्रवासम्भान काम्यू प्राप्ट कुन्न क्राप्ट क्राप्ट म्यू क्राप्ट कुन्न १४म्यू क्राप्ट म्यू

આ - ઝૂમેણ ખ્રાક્ટ મા વાર્ષ, 8 કાર માત્ર - શુપ્ત કોર્મેર હેઠી આ ક્રમ પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત માત્ર શક્ છે સ્પિત્ર કોરાક - શૈક્ષન જ્ર

क्रोस्ट्रेड स्ट्रेस केंद्रेस में मिल क्रिस्ट्रेड हैं क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्र क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्र क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्र क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्रेड क्रिस्ट्र क्रिस्ट्र क्रिस्ट्र क्रिस्ट्र क्रिस्ट्र क्रिस्ट्र क्रिस्ट्र क्रिस्ट्र क्र क्रिस्ट्र क्र क्रि

रेटम - स्वर्थ इत् अस - हार्व - अ १११८ होता - क्रियाल इंग्री- द्रेंगाम सीक्त इम्मुख्या नातं। नेन्राम-ल्याइक झीक्त्रिकार्य का ४० संग्रमभावं

સ્કુચ્ચ્ચ્ય અક હ્યુ હ્યુ ક્યાર પ્રાપ્ટ માત. ક (જ્-પ્પાર્થ ગ્રમ- જ્યાંપણ સ્પાલ્ય કુ બચ્ચ ચ્યુદ્ધ સાર દ્રાં જ્યાં જે ક્યાર કે ક્યાં કે કિંમું જ્યાં જે જ્યાં કે

स्रोम्पद्धः अपर्व (कर्मा उपप्रतः । भिष्ठः सम्प्रतः सैमार्वेश्वः कर्त्व ३० र्त्तात्त्र अप्रत्ये संभग्धः भग्ने ३० सिर्वे स्पार्थिक ब्रुग्रेस्मेशः हर्गाः

શ્રમ કહ્યું સ્વામ સલેશ્વર સેલ્મ ; 0 મે સ્પુત્મ વ્રમાણ સાંહેરુ મ્યુગ્રિય કર્યુ જ્યામારા સમાગુ કરહાતાં હામ્મ એ જ્યાં યુપામાદતાતાર ઉપાયલ કર્યો ज्यानेम क्षेस क्ष्म कार्य उपाम वृद्धि। २० विद्युर्गी प्रामी- कार्य १ तुरु १५ केन समीय- क्रुप्यार्त कार्य वृत्य कार्य केन भित्रमें पात्र जेवार्य मीज्य-ठेक १९

મહી ત્રામાનું વેલાંલ સ્પામ્સ વ્યાખા માત્ર કર્યા કર્યા છે. આ માત્ર માત્ર કર્યા છે. આ માત્ર માત્ય

(ડ્રમાં ઉત્લા હિ ક્રમાં મામ) જે સ્માન જિલ્લા હિ ક્રમાં માન જે જ્યાન ક્રમાં સ્માન ક્રમાં ક્રમાં જે જ્યાન સ્થાન હિમ્માં મામ જે શ્રમાં સ્થાન હિમ્માં મામ જે શ્રમાં સ્માન હિમ્માં મામ જે શ્રમાં સ્માન હોલા ક્રમાં જે શ્રમાં ક્રમાં હોલા ક્રમાં ક્રમાં ક્રમાં જે શ્રમાં ક્રમાં ક્રમાં ક્રમાં ક્રમાં ક્રમાં જે

ાક્સનુ શ્રામ સ્વાક મેં શુક ભાશા ! !! ડિક્સ શ્રામ સ્પામ સ્પામ કર્મા ! અનુ શાનુ સ્પામ શાન કર્મા શાનુ ! એ શાનુ સ્પામ સ્પામ સ્વાન એ સ્ટિસ્સ સ્પામ સ્પામ સ્રામ શાનુ ! એ અસ્ત્રો - આવાલા સ્પામ સ્પામ સ્થાનુ એ અસ્ત્રો - આવાલા સ્પામ સ્થાનુ સ્થાનુ એ

SA Maring

88 MANSLA

(४ एउ वर्ष्य अध्याप

(अझ



MAS A RUM

। स्थानिक करिय

જે કરૂ ર પ્રાયમિત દિન સ્થળ, મેં જે કર્યું સ્પાન દિન સ્થળ, મેં ત્યારન શું અમે શુર્ધન શું માં ત્યારન શું અપ કર્યા શું માં તે કર્ય ત્યાર કર્યા કર્યા કર્યા તે કર્ય શું કર્યા ર સ્થા શું સ્થ જે શું માં તે સ્થ શું કર્ય શું માં માં તે સ્થ શું કર્ય શું માં માં તે સ્થ શું કર્ય

भिष्टी काम्यां स्ट्राम्या संस्था हु। कार्या कार्या

या क्रंग (मायन मियन) में से स अम्माय नावं म्याया है। हम्मान ने अम्मे अव्योग श्रिम्यान नाउ ह द इंक्रारिकं हम्ज श्रिमान-भाविन है

માર્ગમ સાયો જાસું મામ ; ૯ (સ્પ્રાપ્ત મેંગમ પ્રાપ્ત કૃષ્ણ કૃષ્ણ કુ શ્રમ્મ અમાર્શ સંમ હિષ્મ કુ (આ સ્થિક્ષ મુશ્લુ-અમન સ્થમ કુ

किर- शिम्प्रम्परं द्वीर्व द्वीर्व मेता, न इस्ट्रि अवस्पर्य तेत्र नेवा इ. हे भिराष्ट्र क्रिस्ट्रिं २) स्ट्रिव्य क्रिस्ट्रिं भिराष्ट्र क्रियमी- क्रिस्ट्री २ क्रेन्

अस्तर अस्टिन निहास निहास । अस्त्रीत्री- एत्र काश्वर भी रेत्र है. अस्त्रीय एक्स क्रमें मा स्थान है।

िर क्ष्मा इपका भीत स्माहा गार्ग भित्रम क्ष्मा साम भीत स्माहा गर्ग

काम्रेग संकाल हाउनाव वर्ष । २० काम्या इंडाल क्रिक्साव हा ए ९ काम्या इंडाल क्रिक्साव क्ष्में ५३ भारत कांड स्वा अक्षाव क्ष्में ५३ भारत कांड कांड कांड कांड कांड १३ संकाल कांड कांड कांड कांड १३ १४ मारा कांड कांड कांड १३ मारा १४ मारा कांड कांड कांड १३ मारा १३ मारा कांड

सँग- रुग्ने पुरु-एर एर्स हरास बर्ब्ने वा एम एकर 'स्था मुद्र एएर्स्स

બજ રાષ

જે. (ખત્યા ભ્રય જ્યાન કરાઇ કરાઇ કર્યાલા) જે જે કોમ્ય સામારામ ' સંદ્યાર લેકાન કરી સામાર્ગ કાર્યા સામાર કાર્યા કર્યા છે પછે મેં કર્મા સામાર કાર્યા કરી સામાર કાર્મા સામાર કાર્યા કરી રહ્યા કર્યા કર્મા કર્યા કર્યા કરી જે કાર્યા કર્યા કર્મા કર્મા કર્યા કરા કર્યા કર્યા

ुर इस्यक उसमा क्यासिक माम माग अग्रामक सैंबाइ श्राम् क स्थितिक क्रीडिक्सिक कर्रा १० के उस्तुमंद क्रीडिंग क्रिस्- ठेळे पक्षी अस्तु- जिस्त क्रिया एम्पार्ड क्रिया क्रिया क्रिया इंडे क्रिया- क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया

ગામ્સ હ્યુવભારું જ્યામે ક્યારે >8 કહ્યુંગો સ્કુન્પારું (ક્રોગ્રાહ્ય હ્યાંનુંબ્ઠે રૂક ૧૩- આભ ૧૩ રું- ક્રાલ્ય ક્રોગ્રેક્ટી ક્રોર્ગ-સત્ત રૂ.૧૧ વ્યક્ષાનવે સ્પર્ય જી

स्त्राम्य क्रिक अप्राप्त त्यावं १९९ भुत्र- स्तुत्र म्यान अप्तर्थ १९९५ भुत्र- स्तुत्र म्यान स्तुत्र १९९६ अभ्ने - इत्तर्थ उक्ते वास्त्र १९९६

(વક્કિ

मिनिये वर्तन प्रयाप्त

ক্ষাম্ম, ক্ষাম্ম,

उभ्राह्म क्ष्मा क्ष अल्डा क्ष्मा क्ष्मा



- आडुमः । त

क्षेत्रम ने उपने स्थित (स्परम ! ह. रेस्से से ने प्राप्त देवरी कार कर क्षेत्रम ने प्राप्त क्षेत्रम भारती अपने क्षेत्रम में प्राप्त क्षेत्रम भारती कार

े पत हर्रातिक करवान-त्राक्त-त्रा भाग हर्कान क्रियाल ज्याना भाग हर्कान क्रियाल ज्याना भाग हर्कान क्रियाल ज्याना यार्थ तीय अस्म अस्म अस्म । मार्थ । म स्मिन क्ष्मिन क्षिड़े अर्थ — की उत्तर्भ (मन्मा ' अस्मिन स्मिन) अर्थ क्ष्मिन क्ष्

रिन्सां रुसाल- सुस्य क्रिस्सालाः । । इक्रामंत्र स्राम डॉड्डां (प्राप्त कु श्रामंत्र क्रिंडां (प्राप्त कु भूते-(प्रत्मार क्रिंड्डां प्राप्त कुर्

असु स्पेस (५५- इंस्ट्राट्ट दृषिं। अस्प अभूम्य त्रम क्रमक स्थात अर्थे स्प्रिस (५५ व्यमक म्यूर्स अस्प्रिस (५५ व्यमक स्थात, ५५५)

म्या क्षा अस्तरकारमा विद्र

(પ્રાક્ત સત્તામ પ્રાંગોર સરાય: ૧) પાય પ્રાપ્ત અંગ કોલ્પ્ય નાયુ પત્તરાત્ત્વ

३३११५ क्रिक्स भी ११ स्व नाउ ११ १९ १८४३ (सम्प्र संतुक्त (स्व अपस् १८४१ - क्रिक्स स्वाप्त स्वाप

महर्ता क्रिक्ट भग उभन्द ज्ञारम ! १४ भगेषि (भग उभन्द खराम, भगेरिक (भग उभन्द खराम,

(નુડ્ડિં માત્ર

े स्तिक मुद्रमाय-क्रियांस्य त्राम कि ने स्तिया कुंडा जु द्रामा कृत्य कुं के सक्षमा स्ट्रिक तेरक. सकाम कुंडा स्तु स्तार का बा- स्तुम्ब रस्य कुंडा स्तु स्तार का बा- स्तुम्ब रस्य कुंडा स्तु स्तार का क्रामा कुंडा कुंडा कुंडा योक रमस्ति क्राकुण कुंडा कुंडा योक-रमस्ति क्राकुण कुंडा कुंडा

न्तर्व क्रामुक्टि क्रम्म ट्रक्ट ३००० मैरि अञ्चवं त्यामां क्राम्य २००० भेरे अञ्चवं कर्मक्रम कर्ष २०००० (क्राक्रम-ज्यमे-च्रम-सर्वे ज्यास-०३

2343 25A म्डक्नामि डोवि (राक्या क्रिया क्र स्तिर्वक्षाम आहेगा- पर्गन क भिड़ा अम्बर्ध (एन ब्राम्स न्यूप क्ष अध्य अर्थक अर्थकार यानि!

STALM- WALL BELLING 42 MA 2 to & Talen Co Calle राज्ये अघर लाख्ने शरी-SMAY SIA SYACA (BYCA! SO

DER HE RAINE MAEK Where arme show allow श्रुडिय- अंड्रिंग तैयक रीवडी-Giline place serves sylle sille

MA LOW MIN ENDEN " त्राव खंडाव वैसेन ज्यार

⁻²³⁴410

સંસ્થ સ્થાન્ય ભાગુમા સાહ્યુ હિલ્માન ગ્રામ માર્કેલ્વ કર્લ સમ્યાન ક્ષ્ય સંચિત બોર્કેસ્ટ ત્યરેમાં

उसाइ- रागु भर रंग मेंगू । दुरंश्यर अस्म अस्म र्यंद्र) लुगुंख्य स्ति क्षिम कार्य हुं। विकंश क्ष्मुक्म मिलुगुंग अध्य रिलंग्रीम श्रेम मार्यंद्रवर्ण

હાર્લ ક્રાર હોતા કોહ્ય સાફ અલ ફામ્ (n પ્રાકા- શકેતા શકે નોહાર ક્રોક્સ્સ કરું શસ્ત્રોશુ નાલ ક્રાસ્સ મૈલ્યર શ્રીશુસ્સી ગાં

उसम्सक्तरम नी सुवं च न्यान-तंत्रेर्यां गामं प्यामा सुम्यांव वे अप्ताम के प्राप्त के प्राप्त रैंग्न- न्यावं प्राप्त क्राम्यां क्राम्यां क्राम्यां क्राम्यां क्राम्यां निमा જ જાતમ સિલ્લ માન્ય હલ મહ્યી છે. જે જોલે કોમ્યુલ્સ લ્યુન હય

नुमा सक्षाक्रमां कार्यका कार्यका स्पुरमं कार्य कार्यका कार्य कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्य कार्यका कार्यका कार्यका क संस्कार मार्ग स्वयंत्री (प्राप्तः ५०) क उम्मार मार्ग मार्ग

रक्ताकुर दंशाय खाक्रकाष्याकुं।ऽऽ सर्रक्षाय काराज्य क्रमें त्रा एर्रक्ता स्रोज्य क्रमाज्य चार्र कार्ल्य का सर्वेक्रमान ज्यारो प्राप्ति ख्रीयण

जस्त्र भिरिशः जाउठारंशान्ते । १२ (१९) जठाराते का में भिर्धारावान के विदे सिर्फार जग्नी स्वे का का के भिर्फार जग्नी स्वे के के जाउन क्षिण भिर्मे प्रतिस्व सम् के इस्म के स्वेष भिर्मे के के विस्त के के में कि खिल के के विदेश के के

જારકુલ્ક- સ્માત્ર જારાવ કંડાનુ- 158 રુત્રનપામ સ્ટાપ સ્પુશ્ચિપ સ્ટીલ્ટ. શુણ- શુસ્ટ્રમાં ક્રાલિં ર્ગ્યન વસ્તિ પાત્રી- વ્યાન સ્પાસ્ટીલ- याभन्दे उर्नन

5) रामाडा रूल उंग मामाडा। 23-1261 126W 2010 10 219-क्रियाता हुए हुए हेस अपना हिल्ला હ્યાના કે કે તે ત્યાન કરા આ अस्म कार हिर्म कार दर्भ LUCIENTAN ANGE PIEC 4313 (42 435 MARINS करें विस्तर के पर के प्रति का कर कराती । रह

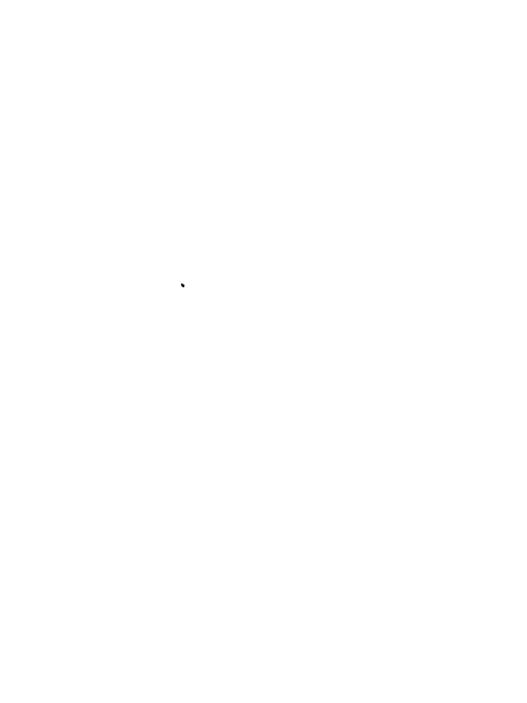
कारी भड़्डर (कार-अंतर बैंडिं WIND SEE SENIN CUSINE सिमित्र अगारी com (विदेश) का मिष नामिका विश शाक नामि !!

874-5-NA, ENDSON 2NO. (क्यकिन कुलान-भर्तुन विभाप स्राज्य के के में तिया है स्राज्य उर्वारक कराई रेडिस कराम

હ્યાસ આસી સર્ફ આમેં કર્મ ંત્રે ઇન્ટ સ્પાયુમીક સત્ર દુરુના શ્વાકંડ્રા અન્ સુક્રિસ સશ્તેતર માન (તેન ડંગ્રેન્ટ્રી) ક્રિમો શ્રિસેશ્વ સ્ટિસેશ સામામાર અરુ સર્ફ

ELLENE PILS. WE EAST

ঋতুসংহারম্



ঋতুসংহারম্

প্রথমঃ সর্গঃ

প্রীত্মবর্ণসম্

স্পৃহণীয়-চন্দ্রমাঃ সদাবগাহক্ষত-বারি-সঞ্চয়ঃ। প্রচণ্ড-সূর্য্যঃ দিনস্তিরম্যোহত্যপশস্তিমন্মথো নিদাঘ-কালোহয়মুপাগতঃ প্রিয়ে॥ ১॥ শশাহকতনীলরাজয়ঃ কচিদ্বিচিত্রং जनयञ्जयनिम्त्रय । মণিপ্রকারাঃ সরসঞ্চ চন্দনং শুচৌ প্রিয়ে যান্তি জনস্থ সেব্যতাম। ২।। স্থবাসিতং হৰ্ম্ম্যাতলং মনোহরং প্রিয়ামুখোচ্ছাসবিকম্পিতং মধু। স্থৃতন্ত্রি-গীতং মদনস্থ দীপনং শুচৌ মিশীথেংসুভবস্তি কামিনঃ॥ ৩॥ নিতম্ববিস্থৈঃ সত্ত্রকুলমেখলৈঃ স্তনেঃ সহারাভরণৈঃ সচন্দনৈঃ। শিরোরুহৈঃ স্নানকষায়-বাসিতৈঃ দ্রিয়ো নিদাঘং শময়স্তি কামিনাম্॥ ৪ ॥ নিতাস্তলাক্ষারসরাগলোহিতৈর্নিভম্বিনীনাঞ্চরণৈঃসনূপুরেঃ। পদে পদে হংসরুতামুকারিভির্জনস্থ চিন্তং ক্রিয়তে সমন্মথম। ৫।। পয়োধরাশ্চন্দনপদ্ধ-চর্চিতান্ত্রধার-গৌরার্গিতহার-শেখরাঃ। নিতম্বদেশাশ্চ সহেমমেখলাঃ প্রকুর্বতে কম্ম মনো ন সোৎস্কুক্ম ॥ ৬ ॥ সমুদগত-স্বেদচিতাঙ্গ-সন্ধয়ো বিমূচ্য বাসাংসি গুরুণি সাম্প্রতম্। স্তনেষু তম্বংশুক-মুন্নতস্তনা নিবেশয়স্তি প্রমদাঃ স্থোবনাঃ॥ १॥ সচন্দনামুব্যজ্বনোন্তবানিলৈঃ সহারষষ্ঠিস্তনমণ্ডলার্প ণৈঃ। সবল্লকী-কাকলিগীতনিস্বনৈর্ব্বিবোধ্যতে স্বপ্ত ইবান্ত মন্মথঃ॥৮॥ সিতেষু হর্ম্ম্যেষু নিশাস্থ যোষিতাং স্থথপ্রস্থানি মুখানি চক্রমাঃ। বিলোক্য নুনং ভূণমূৎস্কশ্চিরং নিশাক্ষয়ে যাতি হ্রিয়েব পাণ্ডুতাম্॥ ৯॥ অসহ্যবাতোদ্ধভরেণুমণ্ডলা প্রচণ্ড-সূর্য্যাভপ-তাপিতা মহী। ন শক্যতে জন্ত মপি প্রবাসিভিঃ প্রিয়াবিয়োগানলদম্মানসৈ:॥ ১০ ॥

মুগা: প্রচণ্ডাতপতাপিতা ভূশং তৃষা মহত্যা পরিশুক্ষ-তালব:। বনান্ধরে তোয়মিতি প্রধাবিতা নিরীকা ভিন্নাপ্রনসন্নিভন্নভঃ॥ ১১॥ সবিভাষে: সম্মিতজিকাবীক্ষিতৈর্বিবলাসবতো। মনসি প্রবাসিমাম। অনক্সন্দীপনমাশু কুর্বতে যথা প্রদোষাঃ শশিচারুভূষণাঃ॥ ১২॥ রবের্ময়ুখৈরভিতাপিতো ভূশং বিদহামানঃ পথি তপ্তপাংশুভিঃ। অবাদ্মখোহজিকাগতি শ্বসমূহঃ ফণী ময়ুরস্থ তলে নিষীদতি॥ ১৩॥ ত্যা মহত্যা হতবিক্রমোল্পমঃ শ্বসমূহদুর-বিদারিতাননঃ! न रुखामृत्रिश्यि गष्टामा त्रायत्रा विलालिक्यक्तिनाश्चरक्याः॥ ১৪॥ বিক্ষকপাত্তভূমিকরান্ত্রসো গভস্তিভির্ভামুমতোহমুতাপিতাঃ। প্রবন্ধতফোপহতা জলার্থিনো ন দন্তিনঃ কেশরিণোহপি বিভ্যতি॥ ১৫॥ হুতাগ্রিকল্পৈ: সবিতুর্গভন্তিভি: কলাপিন: ক্লান্তশরীর-চেতনা:। ন ভোগিনং দ্বস্তি সমীপবর্তিনং কলাপচক্রেষু নিবেশিতাননম্। ১৬। পরিশুক্ষকর্দ্দমং সর: খনশ্লায়তপোত্রমণ্ডলৈ:। রবের্দ্ময়ুখৈরভিতাপিতো ভূশং বরাহযুখো বিশতীব ভূতলম্॥ ১৭॥ বিবস্থতা তীক্ষতরাংশুমালিনা সপস্কতোয়াৎ সরসোহভিতাপিতঃ। উৎপ্লতা ভেকস্তবিতম্য ভোগিনঃ ফণাতপঞ্জ তলে নিষীদতি॥ ১৮॥ সমুদ্ধ তাশেষমূণাল-জালকং বিপন্নমীনং ক্রভভীতসারসম্। পরস্পারোৎপীড়নসংহতৈর্গজ্ঞৈ কৃতং সরঃ সাক্রবিমর্দ্ধ-কর্দ্দমম। ১৯। রবিপ্রভোত্তিরশিরোমণিপ্রভো বিলোলজিহ্বাদ্বয়লীঢমারুতঃ। বিষাগ্নি সূর্য্যাতপতাপিতঃ ফণী ন হস্তি মণ্ডুককুলং তৃষাকুলঃ॥ ২০॥ সফেনলোলায়ত্রক্ত সম্পূটং বিনিঃস্তালোহিতজিহনমূশুখম্। তৃষাকুলং নিঃস্তমদ্রিগহ্বরাদবেক্ষমাণং মহিষীকুলং জলম ॥ ২১ ॥ পটুতরদবদাহে।চ্ছুক্দ-শস্ত-প্ররোহাঃ পরুষপবনবেগোৎক্ষিপ্তসংশুক্ষপর্ণাঃ। দিনকরপরিতাপক্ষীণতোয়াঃ সমস্তাদিদধতি ভয়মুচ্চৈবীক্ষ্যমাণা বনান্তাঃ॥ ২২॥

ঋতুসংহারম্

শ্বিসিতি বিহগবর্গঃ শীর্ণ-পর্ণ-দ্রুমন্থঃ কপিকুলমুপ্যাতি ক্লান্তমদ্রেনিকুঞ্জন্।
ভ্রমতি গবর্ষ্থ সর্ববিতন্তোয়নিচ্ছঞ্জভক্লমজিলাং প্রোদ্ধরতামু কৃপাৎ॥২৩॥
বিকচ-নবকুম্ন্ত-স্বচ্ছ-সিন্দুরভাসা প্রবল-প্রন্বেগোভূত-বেগেন তূর্ণন্।
তটবিউপলতাগ্রালিঙ্গন-ব্যাকুলেন দিশি দিশি পরিদ্ধা ভূময়ঃ পাবেকেন॥২৪॥
জ্বলতি প্রন্তুদ্ধঃ পর্বতানাং দরীষু স্ফুটতি পটুনিনানৈঃ শুক্ষবংশস্থলীয়ু।
প্রসরতি তৃণমধ্যং লব্ধরন্ধিঃ ক্ষণেন মপ্রতি মৃগবর্গং প্রান্তলগো দ্বাগ্নি॥২৫॥
বহুতব ইব জাতঃ শাল্মলীনাংবনেষু স্ফুরতি কনকগোরঃ কোটরেষু দ্রুমাণাম্।
পরিণতদলশাখামুৎপতন প্রাংশুরক্ষান্ ভ্রমতি প্রন্তুত্ব সর্বেতোহগির্বনান্তে॥২৬
গজ্বগর্মুগেন্তা বহ্নিসন্তপ্তদেহাঃ স্কুলে ইব সমেতা দ্বন্ধতাং বিহায়।
হত্রহপরিখেদাদশ্রে নির্গতা কক্ষাদিপুলপুলিনদেশান্নিমগাং সংবিশন্তি॥২৭॥
কমলবনচিতামুং পাটলামোদ্রমাঃ স্থেদলিলনিষ্কেঃ স্বেত্তনাংশুহারঃ।
ব্রজ্বত ত্ব নিদাবঃকামিনীভিঃ সমেতো নিশি স্ক্লিলভ্রীতে হর্ম্যপ্রেষ্ঠ স্থেন॥২৮

স্বিতীয়ঃ সর্গঃ বর্ষাবর্ণনম্

স-শীকরারেয়াগরমন্তকুঞ্জরস্কডিৎপতাকোহশনিশব্দমদ্দিলঃ। সনাগতো রাজবত্বদ্ধভত্তাতির্ঘনাগমঃ কামিজনপ্রিয়ঃ প্রিয়ে॥ ১॥ নিতান্তনীলোৎপলপত্রকান্তিভিঃ কচিৎ প্রভিন্নাঞ্জনরাশিস্টিটভঃ : ক্ষতিং স্ফৰ্ভ-প্ৰমদা-স্তনপ্ৰতৈঃ স্মাটিতং বাোম ানেঃ সমস্ততঃ॥ ২ ॥ ভ্ষাকৃলৈ চাতকপক্ষিণাং কুলৈঃ প্রযাচিতাক্তোয়ভরাবলম্বিনঃ। প্রথান্তি মন্দং বভ্ধারবর্ষিণো বলাহকাঃ শ্রোত্রমনোহরস্বানাঃ॥ ৩॥ বলাহকাশ্চাশনিশকমর্দলোঃ স্তুরেন্দ্রচাপং দধতস্তভিদগুণম। স্ত্রীক্ষধারাপতনোগ্রসায়কৈস্কদন্তি চেতঃ প্রসভং প্রবাসিনাম্॥ ৪॥ প্রভিন্নবৈদ্ধানিভৈন্তগাঙ্কুরৈঃ সমাচিতা প্রোণিতকন্দলী-দলৈঃ। বিভাতি শুক্লেতররভুভ্ষিতা বরাঙ্গমেব ক্ষিতিরিন্দ্রগোপকৈঃ॥ ৫॥ সদা মনোজ্যং স্বনদ্রৎসবোৎস্তকং বিকীর্ণ-বিস্তীর্ণকলাপশোভিতম । সসংভ্ৰমালিজনচুম্বনাকুলং প্ৰবৃত্ত-নৃত্যং কুল্মভ বহিণাম॥ ৬॥ নিপাত্যন্তাঃ পরিতস্তটক্রমান প্রবৃদ্ধবৈগৈঃ সলিলৈরনির্মালে:। ব্রিয়ং হুচুই। ইব জাত্রি ব্রমাঃ প্রয়ান্তিনতাম্বরিতং প্রোনিধিম ॥ ৭ ॥ তুণোৎকরৈরনগভরেমলাঙ্করৈর্বিচিত্রনীলৈর্হরিণী-মুখ-ক্ষতৈঃ। বনানি কৈলানি হরন্তি মানসং বিভূষিতাক্যুদগতপল্লবৈদ্রু মৈ: ॥ ৮ ॥ বিলোলনেত্রোৎপলশোভিতাননৈয় গৈঃ সমস্তাত্রপজাতসাংবসৈঃ। সমাচিতা সৈকতিনী বনস্থলী সাক্ষাক্ত প্রকরোতি চেতসঃ॥ ৯॥

অভীক্ষমটৈচধ্ব নিতা পয়োমুচা ঘনান্ধকারীকু চশর্ববীষ্ণি। ত্তিৎ প্রভা-দর্শিত-মার্গ-ভূময়ঃ প্রয়ান্তি রাগাদভিসারিকাঃ স্তিয়ঃ॥ ১০॥ পয়োধরৈভীম গভীর-নিস্বনৈ-স্তডিম্ভিরুদ্বেজিত-চেতসো ভশম । কৃতাপরাধানপি যোষিতঃ প্রিয়ান পরিগলন্তে শয়নে নিরন্তরম ॥ ১১ ॥ বিলোচনেন্দীবরবারিবিন্দভিনিযিক্তবিস্থাধরচারুপল্লবাঃ। নিরস্তমাল্যাভরণামুলেপনাঃ স্থিতা নিরাশাঃ প্রমদাঃ প্রবাসিমাম ॥ ১২ ॥ কীটরজন্তপাধিতং ভুজঙ্গবদ্ধক্রগতি-প্রসর্পিতম : বিপাণ্ডরং সদাধ্বসৈর্ভেককুলৈরিবীক্ষিতং প্রয়াতি নিমাভিমুখং নবোদকম॥ ১৩। বিপরপুষ্পাং নলিনীং সমূৎফুকা বিহায় ভূঙ্গাঃ শ্রুতিহারিনিম্বনাঃ। পতন্তি মূঢাঃ শিখিনাং প্রানুতাতাং কলাপচক্রেষু নবোৎপলাশয়। ১৪॥ বনদিপানাং নববারিদ্যানৈর্মাদান্বিতানাং ধ্বনতাং মৃত্যু তঃ। কপোলদেশা বিমলোৎপলপ্রভাঃ সভূত্বযুগৈর্ম্মদবারিভিশ্চিতাঃ॥ ১৫॥ সিতোৎপলাভাম্বদচ্মিতোপলাঃ সমাচিতাঃ প্রস্রবলঃ সংস্তৃতঃ। প্রবৃত্তরতাঃ শিখিভিঃ সমাকুলাঃ সমুৎত্ত্করং জনয়ন্তি ভূগরাঃ॥ ১৬॥ কদম্বদর্জ্জার্জনকেতকীবনং প্রকম্পয়ংস্তৎকুত্বমাধিবাসিতঃ। সশীকরাম্মোধরসঙ্গশীতলঃ সমীরণঃ কং ন করোতি সোৎস্থকম্॥ ১৭॥ শিরোরুহৈঃ শ্রোণিতটাবলম্বিভিঃ কুতাবতংসৈঃ কুস্তুমৈঃ স্থান্ধিভিঃ। रुटेनः महादिवर्यपटेनः मनीधूण्डिः खिरा दिनः मञ्जनग्रस्य कामिनाम्॥ ১৮॥ তড়িল্লতা-শক্রথমু-ব্বিভূথিতাঃ পয়োগরাস্তোয়ভরাবলম্বিনঃ। স্ত্রিয়শ্চ কাঞ্চীমণিকুগুলোজ্জলা হরস্তি চেতো যুগপৎ প্রবাসিনাম॥ ১৯॥ মালাঃ কদম্ব-নব-কেশর-কেত্রকীভিরাযোজিতাঃ শিরসি বিভ্রতি যোষিতোইছা। কর্ণাস্তরেষ্ ককুভ-ক্রম-মঞ্জরীভিরিচ্ছামুকুল-রচিতানবতংসকাংশ্চ ॥ २०॥

কালাগুরু-প্রচর-চন্দন-চর্চিচ হাঙ্গাঃ পুষ্পারবংস-স্থরভীকৃত-কেশপাশাঃ। শ্রুত্বা ধ্বনিং জলমূচাং ত্বরিতং প্রদোষে শ্যাগৃহং গুরুগুলাৎ প্রবিশস্তি নার্যাঃ॥ ২১ कुर्वनयम्ब्रानीटेनक्कारेजर्खाय-नरेख्य क्र-भवनविध्रे जन्मसन्मः वनिष्टिः। অপজ্ঞতমিব চেত্ৰস্তোয়দৈঃ সেন্দ্ৰচ[†]পৈঃ পথিকজনবধুনাং ভদ্বিয়োগাকুলানাম্ ॥ ২২ মুদিত ইব কদদৈর্জাতপুল্পৈঃ সমস্তাৎ প্রনচলিত-শাখৈঃ শাখিভিন্ ত্যতীব। হসিত্রমিববিধত্তে স্পূচিভিঃ কেত্রকীনাং নবসলিলনিষেকচ্ছিন্নতাপো বনান্তঃ॥ ২৩ শিরসি বকুলমালাং মালতীভিঃ সমেতাং বিকসিতনবপুলেশ্ব থিকাকুটালৈ । বিকচনবকদক্ষৈঃ কর্ণপূরং বধূনাং রচয়তি জলদৌঘঃ কান্ত^ৎ কাল এবঃ॥ ২৪ দ্ধতি বরকুচাগ্রৈরুক্সতৈর্হারষ্ঠিং প্রতনুসিত্তুকুলাগ্রায়তেঃ শ্রোণিবিধিঃ। নবক্তলকণদেকাচুদ্দাতাং রোমরাজিং ললিতবলিবিভাগৈশ্মধাদেশৈশ্চ নার্যাঃ॥ ২৫ নবজলকণসঙ্গাচ্ছীত্তামাদধানঃ কুন্তুমভরনতানাং লাসকঃ পাদশানাম। জনিত্রুচিরগন্ধঃ কেত্রকীনাং রজ্যেভিঃ পরিহরতি নভস্বান প্রোধিতানাং মনাংসি॥ ২৮ জলভরবিনতানামাশ্রয়োহস্মাকমুক্তৈরয়মিতি জলদেকৈস্তোয়দাস্তোয়ন্<u>মাঃ</u>। অতিশয়পরুষাভিগ্রীয়বক্ষেঃ শিখাভিঃ সমুপজনিততাপং হলাদয়ন্তাব বিদ্ধাম ॥ ২৭ বভগুণরমণীয়ঃ কামিনীচিত্তহারী তরুবিটপল্তানাং বান্ধবো নির্বিকারঃ। জ্লদসময় এষ প্রাণিনাং প্রাণভূতো দিশত তব হিতানি প্রায়শো বাঞ্ছিতানি॥ ২৮

তৃতীয়ঃ সর্গঃ

শরদুর্ণন্য

কাশাংশুকা বিকচ-পদ্মমনোজ্ঞবক্ত্রা সোন্মাদ-হংসরবনূপুরনাদরমাা । আপক্-শালিক্সচিরা ভমুগাত্রযক্তিঃ প্রাপ্তা শরন্নববধূরিব কাশৈর্ম্মহী শিশিরদীধিতিনা রজত্যো হংসৈর্জলানি সবিতাং কুমুদ্রৈ সরাংসি। সপ্তচ্ছদৈঃ কুস্তমভারনতৈর্বনাস্তাঃ শুক্লীকৃতাস্মুপবনানি চ মালতীভিঃ॥ ২॥ চঞ্চন্মনোজ্জাফরীরসনাকলাপাঃ পর্য্যস্ত-সংস্থিতসিতাগুজ-পঙ্ক্তিহারাঃ । নছো বিশালপূলিনান্ডনিতম্ববিদ্বা মনদং প্রয়ান্তি সমদাঃ প্রমদা ইবাছ।। ৩।। বোাম কচিত্রজত-শঙ্খ-মৃণাল-গৌরৈস্ত্যক্তামৃভির্লঘূতয়া শতশঃ প্রয়াতঃ। সংলক্ষ্যতে প্রন-বেগ-চলৈঃ প্রোদে রাজেব চামর-বরৈরুপ্রীজ্যমানঃ॥ ৪ ॥ ভিন্নাঞ্চন-প্রচয়-কান্তি নভো মনোজ্ঞং বন্ধুক-পুষ্পারচিতারুণতা চ ভূমি<u>ঃ</u>। বপ্রাশ্চ পরকলমারত-ভূমি-ভাগাঃ প্রোৎকণ্ঠয়ন্তি ন মনো ভূবি কস্থ যূনঃ॥ ৫॥ মন্দানিলাকুলিত-চারুতরাগ্রশাথঃ পুপোদ্গম-প্রচয়-কোমল-পল্লবাগ্রঃ। মন্ত-দ্বিবেক-পরিপীত-মধু-প্রসেকশ্চিত্তং বিদারয়তি কস্ত ন কোবিদারঃ॥ ৬॥ তারাগণ-প্রবর-ভূষণমুদ্ধহস্তী মেঘাবরোধ-পরিমুক্ত-শশাঙ্ক-বক্ত্য। জ্যোৎসা-তৃকৃলমমলং রজনী দধানা বৃদ্ধিং প্রয়াত্যসুদিনং প্রমদেব বালা॥ ৭ ॥ কারশু বানন-বিঘট্টিত-বীচি-মালাঃ কাদম্ব-সারসকুলাকুলতীর-দেশাঃ। কুর্বস্তি হংস্বিরুতৈঃ পরিতো জনস্থ প্রীতিং পরাং কমলরেণুবৃহাস্তটিয়ঃ॥ ৮॥ নেত্রোৎসবে হাদয়-হারি-মরীচি-মালঃ প্রহলাদকঃ শিশিরশীকর-বারিবর্ষী। পত্যুর্বিয়োগ-বিষ-দিশ্ধ-শরক্ষতানাং চক্রো দহত্যতিতরাং ত্রুমঙ্গনানাম্॥ ৯॥ ফলভরানতশালি-জালামানর্ত্তরংস্তর্কবরান্ কুসুমাবন্মান্। প্রোৎফুল্লপঙ্কজবনাং নলিনীং বিধুন্বন্ যুনাং মনশ্চলয়তি প্রসভং নভম্বান্ ॥ ১০ ॥ সোন্মাদ-হংস-মিথুনৈরূপশোভিতানি স্বচ্ছ-প্রফুল্ল-কমলোৎপল-ভৃষিতানি। মন্দ-প্রভাত--পবনোদগত-বীচিমালাম্যুৎকণ্ঠয়ন্তি সহসা হৃদয়ং সরাংসি॥ ১১॥ नष्टेः ध्यूर्व्वविद्यां जनातात्र्यु स्रोतामनी कृति नाथ विग्र-शठाका। ধুণ্ডি পক্ষ-প্রবানন্দভা বলাকাঃ পশ্যন্তি নোরতমুখা গগনং ময়ুরা: ॥ ১২ ॥ নৃত্যপ্রয়োগ-রহিতাঞ্ছিখিনো বিহায় হংসামুপৈতি মদনো মধুর-প্রশ্বীতান্। মুক্তা কদম্ব-কৃটজার্জ্ক্-সর্জ্জ-নীপান্ সপ্তচ্ছদামুপগতা কুস্থমোদগমঞ্জীঃ॥ ১৩॥ শেকালিকা-কুস্তুমগন্ধ-মনোহরাণি স্বস্থ-স্থিতাগুজ-কুলপ্রতিনাদিতানি পর্য্যস্ত-সংস্থিত-মৃগী-নয়নোৎপলানি প্রোৎকণ্ঠয়স্ত্যুপবনানি মনাংসি পুংসাম্। ১৪। কহলার-পদ্ম-কুমুদানি মুক্তবির্ধুম্বংস্তৎসঙ্গমাদ্ধিকশীতলভামুপেতঃ। উৎকণ্ঠয়ত্যতিতরাং পবনঃ প্রভাতে পত্রাস্ত-লগ্ন-তৃহিনাম্ব-বিধ্যুমানঃ॥ ১৫॥ সম্পন্নশালি-নিচয়াবৃত-ভূতলানি স্বস্থ-স্থিতপ্রচুর-গোকুল-শোভিতানি । হংসৈঃ সসারসকুলৈঃ প্রতিনাদিতানি সীমান্তরাণি জনয়ন্তি নুণাং প্রমোদম ॥ ১৬ ॥ হংগৈজিত। স্থললিতা গতিরঙ্গনানামস্ভোক্সহৈর্বিকসিতৈর্য্থ-চক্রকান্তিঃ। নীলোৎপলৈশ্মদকলানি বিলোকিতানি জ্রবিভ্রমাশ্চ রুচিরাক্তমভিক্তরপ্রৈঃ॥ ১৭ ॥ শ্যামালতাঃ কুসুমভার-নত-প্রবালাঃ দ্রীণাং হরস্তি ধ্রত-ভূষণ-বাহু-কান্তিম। দস্তাবভাস-বিশদ-স্মিত-চন্দ্র-কান্তিং কঙ্কেলি-পুষ্প-রুচিরা নবমালতী চ॥ ১৮॥ কেশান্নিভান্ত-ঘননীল-বিকুঞ্চিভাগ্রানাপ্রয়ন্তি বনিতা নবমালতীভিঃ। কর্ণেষু চ প্রবর-কাঞ্চন-কুণ্ডলেষু নীলোৎপলানি বিবিধানি নিবেশয়স্তি॥ ১৯॥ হারৈঃ সচন্দন-রদৈঃ স্তনমণ্ডলানি শ্রোণীতটং স্থবিপূলং রসনা-কলাপৈঃ। পাদামুজানি কল-নৃপুর-শেখরৈশ্চ নার্য্যঃ প্রহৃষ্টমনসোহত বিভূষয়ন্তি॥ ২০॥ স্ফুট-কুমুদচিতানাং রাজ্ঞহংসঞ্জিতানাং মরকত-মণিভাসা বারিণা ভূষিতানাম্। শ্রিয়মতিশয়রূপাং ব্যোম তোয়াশয়ানাং বহতি বিগতমেঘং চব্রুতারা বকীর্ণম্॥ ২১॥ শরদি কুমুদসঙ্গাদ্বায়বো বান্তি শীতা বিগতজ্ঞাদবৃন্দা দিখিভাগা মনোজ্ঞাঃ। বিগভকলুষমন্ত: শ্যানপদ্ধা ধরিত্রী বিমলকিরণচন্দ্রং ব্যোম ভারাবিচিত্রম্॥ ২২ ॥

বতুসংহারস্

দিবসকর-ময়ুবৈর্বোধ্যমানং প্রভাতে বর-ধুবতি-মুখাভং পদ্ধজং জ্প্ততেহন্ত।
কুমুদমণি গতেহন্তং লীয়তে চন্দ্রবিম্বে হসিতমিব বধুনাং প্রোষিতেরু প্রিয়েরু॥ ২০ ॥
অসিত-নয়ন-লক্ষ্মীং লক্ষয়িছোৎপলেরু কণিতকনকলাঞ্চীং মন্তহংসম্বনেরু।
অধরক্ষচিরশোভাং বন্ধুজীবে প্রিয়াণাং পথিকজন ইদানীং রোদিতি ভ্রান্তচিত্ত॥ ২৪ ॥
গ্রীণাং বিহায় বদনেরু শশাস্কলক্ষ্মীং কামঞ্চ হংসবচনং মণিনূপুরেরু।
বন্ধুককান্তিমধরেরু মনোহরেরু কাপি প্রয়াতি স্কুভাগা শরদাগমঞ্জীঃ॥ ২৫ ॥
বিকচকমলবক্তা ফুলনীলোৎপলাক্ষ্মী বিকসিতনবকাশখেতবাসো বসানা।
কুমুদক্ষচিরকান্তিঃ কামিনীবোশ্মদেয়ং প্রতিদিশতু শরহুশ্চেতসঃ প্রীতিমগ্র্যাম্॥ ২৬ ॥

চতুর্থঃ সর্গঃ

হেমস্তবর্ণনম্

নবপ্রবালোদগমশস্থরম্যঃ প্রফুল্ললোধ্রঃ পরিপক্ষণালিঃ। বিলীনপদ্ম: প্রপাতত ্যারো হেমস্তকাল: সমুপাগতোহয়ম্ ॥ ১ মনোহরৈঃ কুরুমরীগরকৈস্তবারকুন্দেন্দ্রিভেশ্চ হারৈঃ। विवामिनीनाः खन्गाविनीनाः नावः कियुत्ख खन्मेथवानि॥ २। ন বাছ্যুগোষু বিলাসিনীনাং প্রয়ান্তি দক্ষং বলয়াঙ্গদানি। নিতম্ববিম্বেষু নবং ছুকূলং তম্বংশুকং পীনপয়োধরেষু॥ ৩। काकी खरेनः काकन तञ्जिति ज्ञानी कृषग्रस्य व्यममा निष्यम्। ন নৃপুরৈর্হংসরুতং ভজন্তি: পাদাযুজাগ্যযুজকান্তিভাঞ্জি॥ ৪ গাত্রাণি কালীয়কটর্চিতানি সপত্রলেখানি মুখাসুজানি। শিরাংসি কালাগুরুধৃপিতানি কুর্বস্তি নার্য্যাঃ স্থরতোৎসবায়॥ c রতিশ্রমক্ষামবিপাণ্ডুবক্ত । সম্প্রাপ্তহর্ষাভ্যুদয়াস্তরুণ্য: । হসন্তি নোকৈদিশনাগ্রভিন্নান প্রপীডামানানধরানবেক্য ॥ ৬ পীনস্তনোরঃস্থলভাগশোভামাসাত্ত তৎ-পীড়ন-জাত-থেদঃ। তৃণাগ্রলগ্নৈস্কুহিনৈঃ প্রস্তিরাক্রন্দ্রতীবোষসি শীতকাল:॥ १॥ প্রভূতশালিপ্রসবৈশ্চিতানি যুগাঙ্গনাযুথবিভূষিতানি। মনোহরক্রৌঞ্নিনাদিতানি সীমান্তরাণ্যুৎস্কয়ন্তি চেতঃ॥৮॥ প্রফুল্লনীলোৎপলশোভিতানি সোন্মাদ-কাদম্ববিভূষিতানি । প্রসন্মতোয়ানি স্থশীতলানি সরাংসি চেতাংসি হরস্তি পুংসাম্॥ ৯॥ পাকং ব্রব্বস্তী হিমজাতশীতৈরাধুয়মানা সততং মরুন্তি:। প্রিয়ে প্রিয়ন্থ: প্রিয়বিপ্রযুক্তা বিপাণ্ডতাং যাতি বিলাসিনীব ॥ ১০

পুস্পাসবামোদি-ফুগন্ধিবক্তো নিখাস-বাতৈ: ফুরভীকুতাক::। পরস্পরাঙ্গ-ব্যতিষিক্ত-শায়ী শেতে জন: কামরসামুবিদ্ধ:॥ ১১॥ দম্ভর্জেদৈ: সত্রণ-দম্ভ-চিক্টৈ স্তনৈশ্চ পাণ্যগ্রকুতাভিলেখৈ:। **সংস্কৃচ্যতে निर्भग्नमनानाः त्रर्ভाशरयारा। नवरयोदनानाम्॥ ১২ ॥** कां চिष्क्रियग्रे जिल्ला क्रिक्स कां कां क्रिक्स विकार क्रिक्स क्रिक्स विकार क्रिक्स विकार क्रिक्स विकार क्रिक्स विकार क्रिक्स क्रिक्स विकार क्रिक्स विकार क्रिक्स विकार क्रिक्स क्रिक्स विकार क्रिक्स क দস্তচ্ছদং প্রিয়তমেন নিপীত-সারং দস্তাগ্রভিন্নমবক্রয় নিরীক্ষতে চ॥ ১৩॥ অন্তা প্রকাম-স্থরত-শ্রম-খিন্ন-দেহা রাত্রি-প্রজাগর-বিপাটল-নেত্র-পদ্মা। স্রস্তাংসদেশ-লুলিভাকুল-কেশ-পাশা নিদ্রাং প্রয়াতি মৃত্ব-সূর্য্যকরাভিভপ্তা॥ ১৪॥ নিশ্মাল্য-দাম পরিমুক্ত-মনোজ্ঞ-গন্ধং মূর্ম্নে হিপনীয় ঘন-নীল-শিরোরুহান্তাঃ। পীনোরত-স্তন-ভরানত-গাত্র-ষষ্ট্যঃ কুর্বস্থি কেশরচনামপরাস্তরুণাঃ॥ ১৫॥ অক্যা প্রিয়েণ পরিভুক্তমবেক্ষ্য গাত্রং হর্ষান্বিতা বিরচিতাধরচারু-শোভা । কুর্পাসকং পরিদ্যাতি নখক্ষতাঙ্গী ব্যালম্বি-নীল-ললিতালক-কুঞ্চিতাক্ষী ॥ ১৬ ॥ অন্যাশ্চিরং স্থরতকেলিপরিশ্রামেণ খেদং গতাঃ প্রশিথিলীকুতগাত্রষষ্ট্যঃ। সংহয়্যমাণপুলকোরুপয়োধরাস্তা অভ্যঞ্জনং বিদর্ধতি প্রমদাঃ ফুশোভাঃ॥ ১৭॥ বছগুণরমণীয়ো যোষিতাং চিন্তহারী পরিণতবক্তশালিব্যাকুলগ্রামসীমা। সভতমতিমনোজ্ঞ: ক্রেপ্টিমালাপরীতঃ প্রদিশতু হিমযুক্তঃ কাল এবঃ স্থখং বঃ॥ ১৮॥

পঞ্চমঃ সূৰ্যঃ

শিশিরবর্ণন্য

প্ররুদাল্যংশুচরৈর্শ্মনোহরং কচিৎ স্থিতক্রেপিননাদরাজ্ঞিতম । প্রকামক!মং প্রমদাজনপ্রিয়ং বরোরু! কালং শিশিরাহ্বয়ং শৃণু॥ ১॥ নিরুদ্ধবাভায়নমন্দিরোদরং হুতাশনো ভান্থমতো শুরণি বাসাংস্থৰলা: সযৌবনা: প্রয়াস্তি কালেছত্র জনস্থ সেব্যতাম্॥ ২ ॥ न ठन्मनः ठल्कमत्रीिंहणीञ्जः न इन्द्रार्श्वरः भत्रिक्तृनिर्म्यण्य। ন বায়বঃ সাক্রভুষারশীতলা জনস্থ চিত্তং রময়ন্তি সাক্ষ্রতম্॥ ৩॥ তুযারসঙ্ঘাতনিপাতণীতলা: শশাহভাভি: শিশিরীকৃতা: পুন: । বিপা**ণ্ডতারাগণজ্জিজভূষিতা জনস্থ সেব**্যান ভবস্তি রাত্রয়: ॥ ৪ ॥ গৃহীততামূলবিলেপনস্ৰক্ষ: সুখাসবামোদিতবক্ত পদ্ধজা: । প্রকামকালাগুরুধূপবাসিতং বিশস্তি শয্যাগৃহমূৎস্থকাঃ দ্রিয়:॥ ৫॥ কৃতাপরাধান্ বহুশোহপি ভর্জিজান্ সবেপথৃন্ সাধ্বসলুপ্তচেতসঃ। নিরীক্ষ্য ভর্ত্ত্বতাভিলাবিণঃ দ্রিয়োহপরাধান্ সমদা বিসম্মরুঃ॥ ৬॥ প্রকামকামৈয়্ বিভি: সনির্দ্দয়ং নিশাস্থ দীর্ঘাস্বভিরামিতা ভূশমু। অমস্তি মন্দং শ্রমখেদিভোরসঃ কপাবসানে নবযৌবনা: স্তিয়: ॥ ৭ ॥ মমোজ্ঞ-কুর্পাসক-পীড়িত-স্তনাঃ সরাগ-কৌশেয়ক-ভূষিতোরসঃ। নিবেশিতাস্তঃকুহুদৈঃ শিরোরুহৈর্বিভূষয়স্তীব হিমাগমং দ্রিয়ঃ॥৮॥ পরোধরে: কুদ্ধমরাগপিছরে: মুখোপদেব্যৈন্বযৌবনোমভি:। বিলাসিনীভি: পরিপীড়িতোরস: স্বপস্তি শীতং পরিভূর কামিন:॥ ৯॥ স্থান্ধি-নিশ্বাস-বিকম্পিতোৎপলং মনোহরং কাম-রতি-প্রবোধকম্। নিশাস্থ হুটা: সহ কামিভি: জ্রিয়: পিবস্তি মছা: মদনীয়মুত্তমম্॥ ১০ ॥

অপগতমদরাগা বোষিদেকা প্রভাতে ক্তনিবিড়কুচাগ্রা পফুরোলিঙ্গনেন। প্রিয়তমপরিভুক্তং বীক্ষমাণা স্বদেহং ব্রব্ধতি শরনবাসাদ্বাসময়দ্ধসন্তী ॥ ১১ ॥ শগুরুত্বরভিধৃপামোদিতং কেশপাশং গলিতকুত্বমমালং তবতী কুঞ্চিতাগ্রম্। তাজতি গুরুনিতরা নিয়মধ্যাসসানা উষসি শরনমন্তা কামিনী চারুশোভা ॥ ১২ ॥ কনক-কমল-কান্ডৈঃ সন্ত এবাসুধৌতঃ প্রবণতট-নিষক্তঃ পাটলোপাস্ত-নেত্রৈঃ। উষসি বদনবিবৈদ্বংস-সংসক্ত-কেশৈঃ প্রিয় ইব গৃহমধ্যে সংস্থিতা ঘোষিতোহয় ॥ ১৩ ॥ পৃথুজ্বন-ভরার্তাঃ কিঞ্চিদানত্র-মধ্যাঃ স্তনভরপরিখেদামান্দমন্দং ব্রব্ধয়ঃ। স্থরত-সময়বেশং নৈশমাশু প্রহায় দর্ধতি দিবসযোগ্যং বেশমন্তাস্তরুণাঃ॥ ১৪ ॥ নখপদচিভভাগান্ বীক্ষমাণাঃ স্তনাগ্রামধর্কিসলয়াগ্রং দস্তভিন্নং স্পৃশস্ত্যঃ। অভিমতরসমেতং নন্দর্যস্তান্তরুণাঃ সবিত্রুদ্বরুকালে ভূষয়স্তাননানি ॥ ১৫ ॥ প্রাক্রপ্তানিকারঃ স্বাতুশালীক্ষুরম্যঃ প্রবলস্থরতকেলির্জাতকন্দর্পদর্পঃ। প্রিয়জনরহিতানাং চিন্তসন্তাপহেতুঃ শিশিরসময় এব শ্রেয়সে বোহস্ত নিত্যম্॥ ১৬ ॥

वर्षः मर्गः

বসন্তবর্ণনম্

প্রফুল-চুতাঙ্কুর-তীক্ষ-সায়কো দ্বিরেফ-মালা-বিলসদ্ধসূর্গুণঃ। মনাংসি বেদ্ধ্য: স্থরত-প্রসঙ্গিনাং বসস্ত-যোধঃ সমুপাগতঃ প্রিয়ে॥ ১॥ জ্ঞমাঃ সপুষ্পাঃ সলিলং সপদ্মং দ্রিয়ঃ সকামাঃ পবনঃ সুগন্ধিঃ। হুখাঃ প্রদোষা দিবসাশ্চ রম্যাঃ সর্ববং প্রিয়ে! চারুতরং বসস্তে॥ ২॥ वाशीकनानाः मिनिरम्थनानाः भगाइलानाः श्रमाकनानाम्। চূত-ক্রনাণাং কুস্থুনাম্বিভানাং দদাতি সৌভাগ্যময়ং বসস্তঃ॥ ৩॥ কুস্বন্তরাগারুণিতৈত্ব কৃলৈর্নিতম্ববিম্বানি বিলাসিনীনাম্। রক্তাংশুকৈ: কুন্ধুমরাগ-গৌরৈরলংক্রিয়স্তে স্তন-মণ্ডলানি कर्णम् (यागाः नवकर्णिकांतः চल्यम् नीलम्भलरकम् । পুষ্পঞ্চ ফুল্লং নবমল্লিকায়াঃ প্রয়াতি কান্তিং প্রমদাজনস্থ । ৫ ।। স্তনেষু হারাঃ সিতচন্দনার্দ্রা ভুজেষু সঙ্গং বলয়াঙ্গদানি। প্রয়াস্ত্যনঙ্গাতুরমানসানাং নিত্তবিনীনাং জঘনেষু কাঞ্চঃ॥ ৬॥ সপত্রলেখেষু বিলাসিনীনাং বক্তেরু হেমামুরুহোপমেষু। রত্বাস্তবে মৌক্তিকসঙ্গরম্যঃ স্থেদোকামো বিস্তরতামুপৈতি॥ ৭॥ উচ্ছাসয়স্তাঃ শ্লথবন্ধনানি গাত্রাণি কন্দর্প-সমাকুলানি। সমীপবর্ত্তিমধুনা প্রিয়েযু সমুৎস্থকা এব ভবস্তি নার্য্যাঃ॥৮॥ তন্নি পাণ্ড্নি সমন্থরাণি মৃত্মু হর্জ ম্ভণতৎপরাণি। প্রমদান্ত্রনত করোতি লাবণ্য-সসম্ভ্রমাণি॥৯॥ অঙ্গান্তনঙ্গঃ নেত্রেরু লোলো মদিরালসেয়ু গণ্ডেরু পাণ্ডঃ কঠিনঃ স্তনেষু। मर्थायु निस्ना कचरनयु शीनः खीनामनका वरूथा चिर्जाश्य ॥ ১० ॥

অঙ্গানি নিজালসবিভ্ৰমাণি বাকাানি কিঞ্চিন্মদলালসানি। জকেপজিকানি চ বীক্ষিতানি চকার কামঃ প্রমদাজনানাম্॥ ১১॥ প্রিয়ঙ্গুকালীয়ককুদ্ধুমাক্তং স্তনেষু গৌরেষু বিলাসিনীভি:। আলিপ্যতে চন্দ্ৰমঙ্গনাভি: মদালগাভিশ্ গনাভিযুক্তম্॥ ১২॥ বাসাংসি বিহায় তুর্ণ তনুনি লাক্ষারসরঞ্জিতানি। হুগন্ধিকালাগুরুধপিতানি **४एउक्नः काममनानाजी.॥ ১**७॥ পুংস্কোকিলশ্চ ভরদাসবেন মন্তঃ প্রিয়াং চুম্বতি রাগছাষ্টঃ। কুজন দিরেকৌংপ্যয়মমূজন্থ: প্রিয়ং প্রিয়ায়াঃ প্রকরোতি চাটু॥ ১৪॥ তাত্ৰ-প্ৰবাল-স্তবকাৰনত্ৰাশ্চ তদ্ৰন্মাঃ পুশিত-চাৰু-শাখাঃ কুর্বস্তি কামং প্রনাবধ্তাঃ পর্যুৎস্কং মানসমঙ্গনানাম্॥ ১৫॥ আমূলতো বিক্রমরাগতাত্রং সপল্লবাঃ পুষ্পাচয়ং দধানাঃ। কুর্ববস্ত্যাশোকা হৃদয়ং সণোকং নিরীক্ষ্যমাণা নবযৌবনানাম্॥ ১৬॥ মন্তবিবেক-পরিচুম্বিত-চারু-পুষ্পা মন্দানিলাকুলিত-নত্র-মুত্র--প্রবালাঃ। কুর্বস্তি কামিননসাং সহসোৎস্ত্রুত্বং চূতাভিরামকলিকাঃ সমবেক্ষ্যমাণাঃ॥ ১৭॥ কাস্তামুখ-ছ্যুতিজুষামপি চোল্যভানাং শোভাং পরাং কুরবক-দ্রুমমঞ্জরীণাম্। দৃষ্ট্বা প্রিয়ে ! সহজ্ঞয়স্থ ভবেন্ন কম্থ কন্দর্প-বাণ-পতন-ব্যথিতং হি চেতঃ॥ ১৮॥ আদীপ্ত-বহ্নিসদৃশৈক্ষকতাবধৃতৈঃ সর্বত্র কিংশুক-বনৈঃ কুস্থমাবনত্রৈঃ। সভো বসস্ত-সময়ে হি সমাচিতেয়ং রক্তাংশুকা নব-বধূরিব ভাতি ভূমিঃ॥ ১৯॥ কিং কিংশুকৈঃ শুক-মুখচ্ছবিভির্ন ভিন্নং কিং কর্নিকার-কুস্থমৈর্নকৃতং মু দগ্ধম্। যৎ কোকিলঃ পুনরয়ং মধুরৈর্ব্বচোভিযু নাং মনঃ স্থবদনানিহিতং নিহস্তি ॥ ২০ ॥ शूरत्कांकिरैनः कनवराजिङ्गभाख-रर्रिः कृष्णिङ्गप्रापकनानि वर्जाः । দিজ্জান্বিভং সবিনয়ং হৃদয়ং ক্ষণেন পর্য্যাকুলং কুহগৃহেহপি কৃতং বধুন্মি॥ ২১॥ আকম্পায়ন্ কুমুমিতাঃ সহকারশাখা বিস্তারয়ন্ পরভূতস্থ বচাংসি দিক্ষু। বায়ুর্বিবাতি হৃদয়ানি হরমরাণাং নীহারপাতবিগমাৎ হৃভগো বসস্তে॥ ২২ ॥

কুলৈঃ সৰিপ্রমবধ্-হিসভাবদাতৈরুভোভিভাস্যুপবনানি মনোহরাণি।
চিন্তং মুনেরপি হরস্তি নির্ভরাগং প্রামেব রাগমলিনানি মনাংসি ধুনাম্। ২০ ॥
আলম্বি-হেমরসনাঃ স্তনসক্তহারাঃ কন্দর্গ-দর্প-লিথিলীক্ত-গাত্রষষ্টাঃ।
মাসে মধৌ মধুরকোকিলভূঙ্গনাদৈর্নার্যো হরস্তি হৃদরং প্রসভং নরাণাম্। ২৪ ॥
নানামনোক্ত-কুস্মক্রমভূষিভাস্তান্ ছাই। ভানঃ ক্লিভিভূতো মুদমেভি সর্বরঃ॥ ২৫ ॥
নেত্রে নিমীলর্যভি রোদিভি বাভি শোকং জ্ঞাণং করেণ বিরুপন্ধি বিরৌভি চোচিনঃ।
কাস্তা-বিরোগ-পরিখেদিত-চিন্ত-বৃত্তির্দ্ধৃ ই ।ধ্বগঃ কুস্থমিতান্ সহকারবৃক্ষান্॥২৬॥
সমদমধুকরাণাং কোকিলানাঞ্চ নাদেঃ কুস্থমিতসহকারিঃ কণিকারিক্ত রম্যঃ।
ইষ্ভিরিব স্থভীক্রৈর্মানসং মানিনীনাং ভুদভি কুস্থম্যাসো মন্মথোদ্যেজনার॥ ২৭ ॥

আমী মঞ্জন-মঞ্জরী বর-শরঃ সং কিংশুকং যদ্ধসু-র্জ্যা যম্মালিকুলং কলঙ্করহিতশ্চক্রং সিতাংশুং সিতম্ । মন্তেভো মলয়ানিলঃ পরভূতো যদ্ধন্দিনো লোকজিৎ সোহরং বো বিতরীতরীতু বিতসুর্ভন্তং বসস্তাধিতঃ॥ ২৮॥